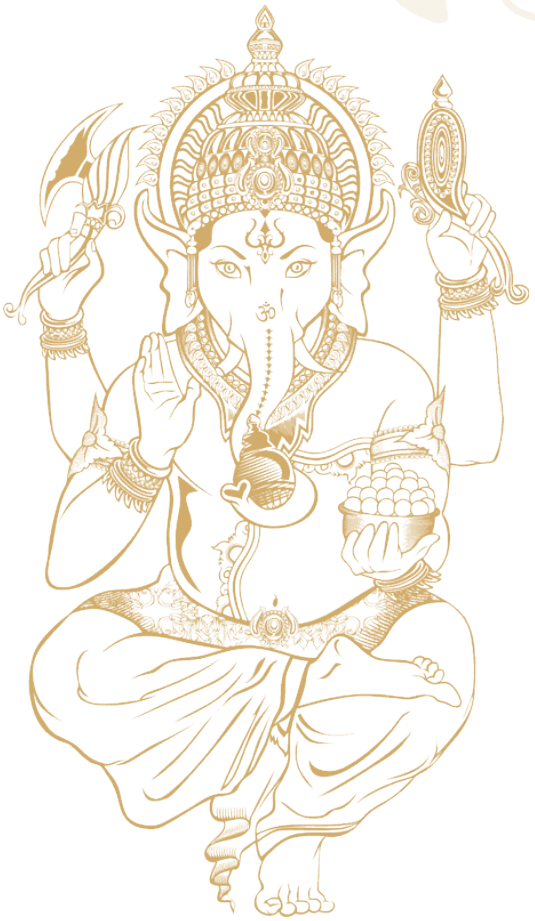

Jignesh Maya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121762703

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
25-26/04/2000 :	जन्म तिथि	:	12-13/01/2001
मंगल-बुधवार :	दिन	:	शुक्र-शनिवार
घंटे 04:55:00 :	जन्म समय	:	01:15:00 घंटे
घटी 56:49:33 :	जन्म समय(घटी)	:	44:39:52 घटी
India :	देश	:	India
Delhi Chakla :	स्थान	:	Delhi Darwaja
23:02:00 उत्तर :	अक्षांश	:	23:02:00 उत्तर
72:35:00 पूर्व :	रेखांश	:	72:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:40 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:39:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 घंटे
06:11:10 :	सूर्योदय	:	07:23:03
19:04:26 :	सूर्यास्त	:	18:13:10
23:51:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	:	23:52:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 1मा 17दि	16:56:43	मीन	लग्न	तुला	04:38:06	केतु 1वर्ष 4मा 26दि
राहु	12:11:01	मेष	सूर्य	धनु	28:48:46	सूर्य
13/06/2020	03:02:21	मक	चंद्र	सिंह	10:39:29	10/06/2022
14/06/2038	00:37:19	वृष	मंगल	तुला	17:55:17	09/06/2028
राहु 24/02/2023	28:03:52	मीन	बुध	मक	09:53:53	सूर्य 27/09/2022
गुरु 20/07/2025	21:07:10	मेष	गुरु व	वृष	07:35:27	चन्द्र 29/03/2023
शनि 26/05/2028	29:48:40	मीन	शुक्र	कुंभ	15:50:28	मंगल 04/08/2023
बुध 13/12/2030	24:40:46	मेष	शनि व	वृष	00:19:56	राहु 27/06/2024
केतु 01/01/2032	04:27:02	कर्क व	राहु व	मिथु	21:38:30	गुरु 16/04/2025
शुक्र 31/12/2034	04:27:02	मक व	केतु व	धनु	21:38:30	शनि 29/03/2026
सूर्य 25/11/2035	26:36:59	मक	हर्ष	मक	25:23:12	बुध 02/02/2027
चन्द्र 26/05/2037	12:40:24	मक	नेप	मक	11:53:20	केतु 10/06/2027
मंगल 14/06/2038	18:35:41	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:18:04	शुक्र 09/06/2028

लग्न-चलित

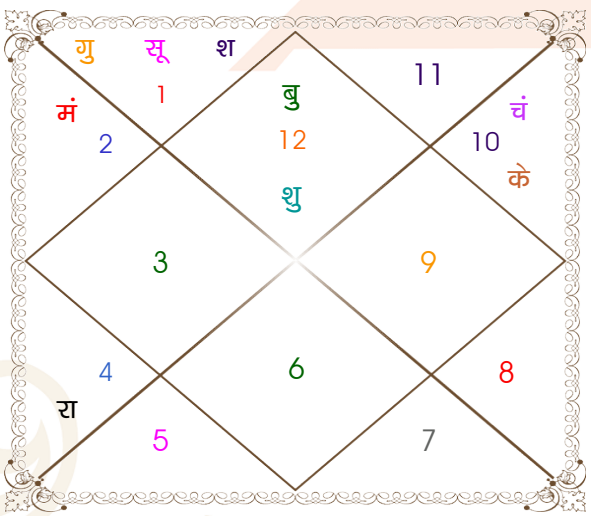

लग्न-चलित

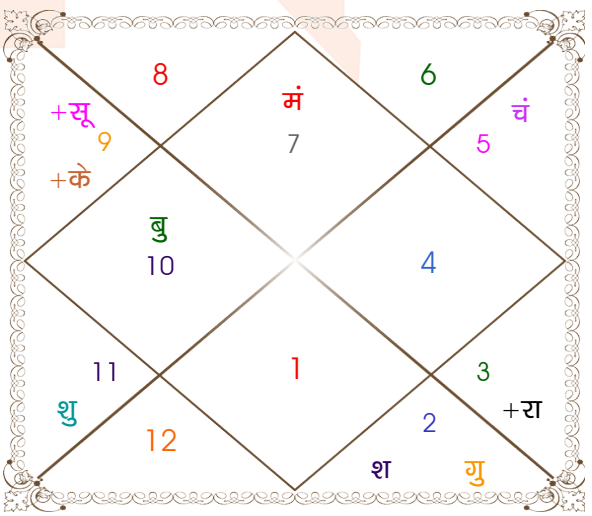

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	2.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Jignesh का वर्ग मूषक है तथा डंलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jignesh और डंलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Jignesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डंलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jignesh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jignesh तथा डंलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।